आईआईएम | कन्वोकेशन में आईसीएस समूह के संस्थापक ने बताया स्टार्ट-अप का महत्व

अब जमाना बदल रहा है, जोखिम लें युवा

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

आईसीएस समूह के संस्थापक दीपक प्रेमनारायण ने कहा कि चीन में प्रति दिन 16000 कंपनियां जन्म लेती हैं। हर साल 55 लाख स्टार्ट-अप शुरू हो रहे हैं। यदि इंडिया को भी विकास के पथ पर बढ़ना है, तो इस दौड़ में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा- अब जमाना बदल रहा है, युवाओं को जोखिम लेना होगा। पूरी ताकत से प्रयास करने होंगे, जो ऐसा करेंगे वे ही सफल हो सकते हैं। सिर्फ सोचने से नहीं होगा, आगे बढ़ना होगा। वे आईआईएम रांची के सातवें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को स्टार्ट-अप का महत्व समझा रहे थे।

उन्होंने बताया कि आईआईएम से पास होने के बाद युवाओं की चुनौतियां बड़ी हो जाती हैं। ऐसे में नया क्या किया जाए, यह सोचना होगा। उन्होंने छात्रों को असफलता से कभी भी हार नहीं मानने के सुझाव दिए।

कार्यक्रम में एशियन पेंट्स के सह प्रमोटर अश्विन दानी ने कहा कि जो कंपनी समय के अनुसार खुद को ढालेगी, वही आगे बढ़ेगी। समय बदल रहा है, हमें इसके साथ बढ़ना होगा। सपने पूरे करने हैं तो हिम्मत रखते हुए कार्यकुशलता बढ़ानी होगी। आईआईएम के निदेशक मंडल के अध्यक्ष प्रेम शंकर पांड्या ने छात्रों से कहा कि नया खोजो और उसे भरो। सपने निश्चित रूप से पूरे होंगे।

222 स्टूडेंट्स को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में 222 छात्रों को उपाधि दी गईं। पीजीडीएम के 134 छात्रों को उपाधि दी गईं। इनमें पहले स्थान पर गौतमी मकीनेनी, दूसरे पर किरथन शर्मा, तीसरे पर रणविजय, चौथे पर आदित्य अशोक कुमार और पांचवें पर अतिशय जैन रहे। पीजीडीएचआरएम में 51 उपाधि दी गईं, इनमें पहले स्थान पर नेहा गुप्ता, दूसरे पर कार्तिक के रहे। पीजीईएक्सपी में 37 छात्रों को उपाधि दी गई। इनमें पहले स्थान पर कुमार संजय स्वर्णी, दूसरे पर अपराजिता राय रहीं।

Dainik Bhaskar, 17.03.2018, Pg. 04